गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पतनगर विश्वविद्यालय के 67वें स्थापना सप्ताह में पूर्व शिक्षकों का सम्मान

पंतनगर। 18 नवम्बर 2026। गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर में चल रहे 67वें स्थापना सप्ताह समारोह के अंतर्गत 17 नवंबर 2026 को एक शिक्षक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षक, पूर्व अधिष्ठाता और पूर्व विभागाध्यक्ष आमंत्रित थे। कार्यक्रम का उद्देश्य उन वरिष्ठ शिक्षकों के योगदान को सम्मान देना था जिन्होंने अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष विश्वविद्यालय को दिए। कार्यक्रम में लगभग 50 सेवानिवृत्त शिक्षकों ने भाग लिया। उनके साथ विश्वविद्यालय के वर्तमान अधिष्ठाता और निदेशक भी उपस्थित रहे। इस तरह पुरानी और नई पीढ़ी के शिक्षक एक ही मंच पर आए, और पूरा आयोजन सादगी व आत्मीयता से भरा रहा।

कुलपति डा. शिवेन्द्र कुमार कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि जब हम विश्वविद्यालय की स्थापना का उत्सव मना रहे हैं, तो वे इन सभी शिक्षकों को इस विश्वविद्यालय की नींव के रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा कि इन शिक्षकों ने राष्ट्र और विश्वविद्यालय के लिए अपना जीवन, समय और ऊर्जा समर्पित की। इनके परिश्रम और निष्ठा के कारण ही पंतनगर विश्वविद्यालय आज देश में अपनी अलग पहचान बना सका है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय की उपलब्धियाँ इन्हीं शिक्षकों के त्याग और समर्पण का परिणाम हैं, इसलिए स्थापना सप्ताह में इनका सम्मान करना विश्वविद्यालय का कर्तव्य है। कुलपति ने यह भी कहा कि सेवानिवृत्त शिक्षकों का अनुभव विश्वविद्यालय के लिए बहुमूल्य धरोहर है। वर्तमान शिक्षकों और विद्यार्थियों को इस अनुभव से सीख लेकर विश्वविद्यालय की परंपरा को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने वरिष्ठ शिक्षकों से विश्वविद्यालय से जुड़े रहने और समय–समय पर अपने सुझाव व मार्गदर्शन देते रहने का आग्रह किया।

कार्यक्रम के दौरान कई पूर्व शिक्षकों ने विश्वविद्यालय में बिताए अपने दिनों की स्मृतियाँ साझा कीं। उन्होंने स्थापना सप्ताह में आमंत्रित किए जाने और सम्मान दिए जाने पर विश्वविद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त किया। कई वरिष्ठ शिक्षक वर्षों बाद अपने पुराने सहयोगियों से मिले, जिससे माहौल भावुक हो गया। कार्यक्रम का समन्वय अपर निदेशक प्रशासन एवं अनुश्रवण डा. अनिल कुमार शर्मा ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डा. दीपा विनय, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. वी.सी. ध्यानी सहित विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता और निदेशक उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय अपने 67वें स्थापना सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक और संवाद कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। पूर्व शिक्षकों के साथ यह संवाद कार्यक्रम इस श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण आयोजन रहा। इसमें विश्वविद्यालय की गौरवशाली परंपरा और उसके निर्माताओं के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया।



कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त पूर्व शिक्षक।

निदेशक संचार